>

Title: Issue regarding crop damage due to heavy hailstorm in Jabalpur district in Madhya Pradesh.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर): उपाध्यक्ष महोदय, पूरे देश में किसानों के हितों की रक्षा करने और कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने की बात हो रही है। किसान अपने खेत में बहुत मेहनत करता है, तब जाकर वह अन्नदाता कहलाता है। जब वह बीज बोता है, तो वह भविष्य के सपने देखने शुरू कर देता है। लेकिन जैसे ही कोई प्राकृतिक आपदा आती है, तो उसके सपने बिखर जाते हैं। ऐसी ही स्थिति हमारे मध्य प्रदेश में किसानों के साथ हुई है। पिछले दिनों 16 फरवरी को मेरे संसदीय क्षेत्र जबलपुर के साथ मध्यप्रदेश के लगभग 35 जिलों में भीषण ओलावृष्टि हुई है। एक ही दिन में लगभग तीन बार ओले गिरे, भीषण आंधी चली, कई पेड़ तथा मकान गिर गए। बिजली के खंभे उखड़ कर दूसरी जगह गिर गए, इतनी भीषण आंधी वहां चली थी। पूरे प्रदेश में 35 जिलों में लगभग 106 तहसीलें इस भीषण ओलावृष्टि से प्रभावित हुई हैं। 3688 गांव इससे प्रभावित हुए हैं और जो प्रारम्भिक आकलन हुआ है, उसके अनुसार लगभग 868 करोड़ रुपयों का नुकसान मध्यप्रदेश में हुआ है। मैंने अपने संसदीय क्षेत्र का अभी-अभी दौरा किया है, लगभग 35 गांवों में मैं स्वयं गया था। ग्रामीण क्षेत्र की चारों विधान सभाओं में लगभग सभी क्षेत्रों में बहुत नुकसान हुआ है और दो सौ गांवों में इसका असर है। महोदय, सौ-सौ ग्राम के ओले वहां गिरे थे। गेहूं, चना, मटर, मसूर जैसी सभी फसलें वहां चौपट हो चुकी हैं। शहपुरा, पाटन, बरगी, मझोली, पनागर, सिहोरा जैसे अनेकों क्षेत्र इससे प्रभावित हैं। लगभग जबलपुर में ही 35200 हेक्टेयर का कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ है। फसलों का नुकसान 50 परसेंट से लेकर 100 परसेंट तक अलग-अलग फसलों के आधार पर उसका आकलन हुआ है। 50 हजार खातेदार सिर्फ मेरे संसदीय क्षेत्र में प्रभावित हुए हैं। जबलपुर में लगभग 150 से 200 करोड़ रुपयों के नुकसान का आकलन हुआ है। प्रदेश सरकार अपने स्तर पर कोशिश कर रही है कि किसानों को राहत पहुंचे। लेकिन जैसा कि हम सभी जानते हैं कि प्रदेश के अपने सीमित संसाधन होते हैं, इसलिए मैं आपके माध्यम से मांग करना चाहता हूं क्योंकि किसानों में आज भीषण निराशा है, पहले से ही वे महंगाई से त्रस्त हैं, ऊपर से प्राकृतिक आपदा की मार ने उन्हें तोड़ कर रख दिया है, इसलिए मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि संकट के समय में केंद्र सरकार मध्य प्रदेश सरकार को अतिरिक्त सहायता प्रदान करे। इसके साथ जो कृषि ऋण है, क्योंकि आज किसान ऐसी स्थिति में आ कर खड़ा है कि वह अपना कर्जा भी नहीं चुका सकता है क्योंकि उसकी फसल चौपट हो चुकी है, उन कृषि ऋण को माफ करने में केंद्र सरकार आगे बढ़ कर राहत पहुंचाए और मध्य प्रदेश को अतिरिक्त सहायता प्रदान करे।